**दृश्य 4**

**रोशनी। लंका द्वीप पर रावण का महल। रावण अपने सिंहासन पर विराजमान है।**

कथावाचक २: लंका द्वीप पर एक भव्य महल था। महल में रावण नामक दस सिरों वाला एक राक्षस-राजा रहता था। पूरे देश में रावण का भय व्याप्त था।

रावण: **(उनके सिंहासन से खड़े होकर)** मुझे सीता को ढूंढ़ना चाहिए और उनकी सुंदरता को अपने लिए देखना चाहिए। वह मेरी पत्नी होनी चाहिए क्योंकि मैं सबसे शक्तिशाली हूं। चूंकि लोग मुझसे इतना डरते हैं, और ठीक ही ऐसा है, मैं उसे अपने सच्चे स्व के रूप में प्रकट नहीं कर सकता। मुझे एक चालाक योजना की जरूरत है।

कथावाचक २: रावण ने कुछ और सोचा।

रावण: **(हाथों को आपस में रगड़ते हुए/चालाक आवाज)** हाँ, बस! मैं अपना भेष बदलकर उसे पकड़ लूंगा। वह हमेशा के लिए मेरी होगी!

**रावण मंच से बाहर निकलता है और रोशनी करता है।**